126

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 22 जनवरी, 2021 की बैठक का कार्यवृत्त

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक दिनांक 22 जनवरी, 2021 को 12.30 बजे प्रशासनिक खण्ड के प्रथम तल पर स्थित समिति कक्ष में निदेशक महोदय की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए -

1.	आचार्य प्रमोद कुमार जैन, निदेशक	-	अध्यक्ष
2.	आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी, संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	-	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. शुभेन्दु प्रकाश माथुर, कुलसचिव	-	सदस्य
4.	आचार्य राजीव प्रकाश, अधिष्ठाता (अनुसंधान एवं विकास)	-	सदस्य
5.	आचार्य रजनेश त्यागी, अधिष्ठाता (संकाय कार्य)	-	सदस्य
6.	आचार्य एस.बी.द्विवेदी, अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य)	-	सदस्य
7.	आचार्य राजीव श्रीवास्तव, अधिष्ठाता (संसाधन एवं पूर्व छात्र)	-	सदस्य
8.	आचार्य एल.पी.सिंह, अधिष्ठाता (छात्र कार्य)	-	सदस्य
9.	आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग	-	सदस्य
10.	आचार्य संजय कुमार पांडेय, गणितीय विज्ञान विभाग	-	सदस्य
11.	श्री राजन श्रीवास्तव, संयुक्त कुलसचिव (प्रशासन)	-	सदस्य
12.	श्री गंगेश शाह गोंडवाना, सहायक कुलसचिव (राजभाषा)	-	सदस्य सचिव

आचार्य सत्यवीर सिंह, श्रीमती स्वाति बिस्वास एवं श्री जगदीश नारायण राय, संयोजक, केंद्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद, वाराणसी बैठक में उपस्थित नहीं हो सके।

बैठक के प्रारम्भ में अध्यक्ष महोदय द्वारा सदस्यों का स्वागत किया गया एवं अध्यक्ष महोदय की अनुमति से कार्यसूची के मदों पर चर्चा प्रारम्भ की गई।

मद सं. 1: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 25 सितंबर, 2020 की बैठक के कार्यवृत्त की पुष्टि:

दिनांक 25 सितंबर, 2020 को आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक के कार्यवृत्त की समिति ने पुष्टि की।

मद सं. 2: राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 25 सितंबर, 2020 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई:

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दिनांक 25 सितंबर, 2020 की बैठक में लिए गए निर्णयों पर अनुवर्ती कार्रवाई की पुष्टि करते हुए निम्नलिखित निर्णय लिए गए:

क) तकनीकी विषय पर हिन्दी में पुस्तक लेखन के संबंध में प्राप्त दो प्रस्तावों- **1.** विद्युत अभियांत्रिकी विभाग से डॉ. राकेश मिश्र व डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा संयुक्त रूप से **2.** मानवतावादी अध्ययन विभाग से डॉ. मनहर चारण, के प्रस्तावों को बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई।

सिरामिक अभियांत्रिकी विभाग से पुस्तक लेखन हेतु जो नाम भेजे गए हैं, उनसे पुस्तक लेखन का एक विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर राजभाषा प्रकोष्ठ को भेजने का अनुरोध किया जाय।

ख) "भारतीय विज्ञान का इतिहास" विषय पर पुस्तक लेखन हेतु आचार्य सुशांत श्रीवास्तव द्वारा भेजे गए प्रस्ताव को भी बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई।

ग) उक्त पुस्तक लेखन में आने वाले खर्चों के लिए वित्तीय मदद मुहैया कराने के संबंध में आचार्य अनिल कुमार त्रिपाठी एवं आचार्य संजय कुमार पांडेय की एक समिति गठित की जाय।

घ) विद्यार्थियों के अनंतिम/अस्थायी प्रमाण पत्र (Provisional Certificate) को हिन्दी में तैयार कर अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) कार्यालय को समीक्षा हेतु उपलब्ध कराया जाय।

च) अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) एवं अधिष्ठाता (संकाय कार्य) से थीसिस और डिजर्टेशन में विषय का शीर्षक हिन्दी में भी लिखने तथा पीएच.डी का प्रस्ताव द्विभाषी में तैयार करने से संबन्धित एक प्रारूप (फॉर्मेट) तैयार करने एवं इस संबंध में आईआईटी, रुड़की के शैक्षणिक कार्यालय से संपर्क करने हेतु अनुरोध किया जाय । उक्त फॉर्मेट को संस्थान के सीनेट से पास कराया जाय । पर्यवेक्षक (सुपरवाइजर) और छात्रों के बीच आपसी सहमति से उक्त प्रस्ताव लागू होगा, जो वैकल्पिक रूप में उपलब्ध होगा।

छ) अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) कार्यालय से द्विभाषी करने के लिए प्राप्त प्रपत्रों (फॉर्मों) को हिन्दी में तैयार कर समीक्षा हेतु उक्त कार्यालय को उपलब्ध कराया जाय।

ज) संस्थान में संग्रहालय स्थापित करने हेतु बनाये गए रूपरेखा को निदेशक महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया एवं समिति को भी अवगत कराया गया। इस संबंध में, यह निर्णय लिया गया कि संग्रहालय स्थापित करने के संबंध में आगे की कार्यवाही की जाय।

मद सं. 3: राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार को संस्थान की ऑनलाइन माध्यम से भेजी गयी पिछली चार तिमाहियों की हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।

समिति को संस्थान की पिछली चार तिमाहियों की हिन्दी तिमाही प्रगति रिपोर्ट में हो रही उत्तरोत्तर प्रगति से अवगत कराया गया। समिति ने प्रगति रिपोर्ट में हिन्दी के बढ़ते प्रतिशत पर संतोष व्यक्त किया।

मद सं. 4: संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा:

संस्थान में राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की वर्तमान स्थिति पर चर्चा हुई जिसके उपरांत निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

क) आचार्य सुशांत कुमार श्रीवास्तव, भैषजकीय अभियंत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी विभाग को उनके विभाग में प्रयोग में लाए जाने वाले प्रयोगशाला पुस्तिका (लैब मैनुअल) को हिन्दी में करने एवं उक्त पुस्तिका को राजभाषा की अगली तिमाही बैठक में प्रस्तुत करने हेतु अनुरोध किया जाय।

ख) संस्थान में केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा संचालित होने वाले 5-दिवसीय संक्षिप्त अनुवाद प्रशिक्षण (आउटरीच) कार्यक्रम आयोजित करवाने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए संस्थान के राजभाषा प्रकोष्ठ की ओर से केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, नई दिल्ली को पत्र के माध्यम से अनुरोध किया जाय।